Hindi Murli Quiz 29-04-2015

यह क्विज आज की मुरली पर आधारित है |

Q.1) **आज की मुरली में बाबा ने कौन सा राज़ सबको समझाने की बात की है ?**

A. अब नाटक पूरा होता है, वापिस घर जाना है, कलियुग अन्त के बाद फिर सतयुग रिपीट होगा |

B. यह ड्रामा लाखों वर्ष का नहीं , इसकी आयु पूरे पांच हज़ार वर्ष है |

C. परमात्मा कभी जन्म - मरण में नहीं आते , इस समय पुराने पतित शरीर में प्रवेश कर गीता ज्ञान सुनाते हैं |

Q.2) **आत्मा पार्ट बजाते-बजाते थक गई है, थकावट का मुख्य कारण क्या है?**

A. बहुत भक्ति की, अनेक मन्दिर बनाये, पैसा खर्च किया |

B. धक्के खाते-खाते सतोप्रधान आत्मा तमोप्रधान बन गई।

C. तमोप्रधान होने के कारण ही दु:खी हुई।

D. जब किसी बात से कोई तंग होता है तब थकावट होती है।

E. अभी बाप आये हैं सब थकावट मिटाने।

Q.3) **आगे नाटक का नाम भी तुम्हारी बुद्धि में नहीं था। कहने मात्र कहते थे, यह सृष्टि नाटक है, जिसमें हम एक्टर्स हैं। आगे जब हम कहते थे तो _____ को समझते थे।**

A. शरीर

B. आत्मा

C. आत्मा सो परमात्मा

Q.4) **Match the following**

	Choice		Match
A	उस निराकारी दुनिया में हम आत्मायें रहती हैं।	1	यह ज्ञान कोई भी मनुष्य मात्र में नहीं है।
B	अभी तुम संगम पर हो।	2	भक्ति भी खत्म हो।
C	पुरानी दुनिया खत्म हो तो	3	यह बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं।
D	पहले-पहले कौन आते हैं, कैसे यह धर्म नम्बरवार आते हैं,	4	जानते हो अभी हमको वापिस जाना है।
E	बाप की याद के साथ	5	यह चक्र भी बुद्धि में रहना चाहिए।

Q.5) **दुनिया ही पुरानी हो गई है। नाटक पुराना कहेंगे? नहीं।**

A. True

B. False

Q.6) **एक बाप को ही याद करना चाहिए, जिससे विकर्म विनाश होते हैं, विकर्म विनाश होने का और कोई उपाय नहीं है।**

A. True

B. False

Q.7) **Match the following**

	Choice		Match
A	तुम जानते हो जब कलायें कम होती हैं तब	1	हमारा बाप कौन है, जिससे वर्सा पाना है।
B	पहले-पहले तो मुख्य बात समझानी है-	2	तुम्हारा है हठयोग।
C	स्कूल में स्टूडेन्ट्स की बुद्धि में नॉलेज रहती है	3	न कि घर बार।
D	यहाँ तो फिर कर्म करते, गृहस्थ व्यवहार में रहते	4	फूलों का बगीचा मुरझा जाता है।
E	सन्यासियों को भी तुम कह सकते हो कि	5	बाप कहते हैं यह स्टडी करो।

Q.8) **साहूकार लोग कहाँ रहते हैं, गरीब कहाँ रहते हैं, _____ का हिसाब है ना।**

A. कर्मों

B. भाग्य

C. ड्रामा

Q.9) **किन-किन बातों की हमें सदैव ख़ुशी रहनी चाहिए ?**

A. ☐ तुम विश्व के वारिस अर्थात् मालिक थे। अभी तुम विश्व के वारिस बन रहे हो। तो कितनी खुशी होनी चाहिए।

B. ☐ बुद्धि में यह याद रहे हम स्टूडेन्ट हैं, हमको भगवान पढ़ाते हैं। तो भी कितनी खुशी रहे।

C. ☐ शिवबाबा रचना रचते ही हैं स्वर्ग की। हम स्वर्ग का मालिक बनने लिए पढ़ते हैं। कितनी खुशी अन्दर में रहनी चाहिए।

D. ☐ तुम जानते हो-आधाकल्प हम सुखी रहेंगे। तो यह भी खुशी रहनी चाहिए, शिवबाबा हमको पढ़ाते हैं।

E. ☐ अच्छा, बाप की याद नहीं ठहरती तो चक्र का सिमरण करो तो भी खुशी चढ़े।

F. ☐ कोई सोने के महल बनायेंगे, कोई चांदी के, कोई ईटों के। यहाँ तो कितने खण्ड हैं। एक यूरोप खण्ड ही कितना बड़ा है। वहाँ तो सिर्फ हम ही होंगे। यह भी बुद्धि में रहे तो हर्षितमुख अवस्था हो।

Q.10) **Match the following**

	Choice		Match
A	स्कूल है एक, बाकी सब ब्रान्चेज हैं	1	पढ़ाने वाला एक बाप है।
B	यहाँ तो तुम कितने सेफ बैठे हो।	2	तुम ब्राह्मणों का एक गाँव।
C	यहाँ कोई का संग नहीं।	3	बाहर रहने वाले तीखे चले जाते हैं।
D	कैसा वन्डर है	4	पतित से बात करने की दरकार नहीं।
E	यह मधुबन है जैसे कि	5	कोई अन्दर घुस न सके।